दैनिक भास्कर राजसमन्द भास्कर 05-02-2025

महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास से ग्रामीण हुए आत्मनिर्भर

रेलमगरा| कस्बे के समीपवर्ती राजपुरा दरीबा क्षेत्र में ग्रामीण विकास में हिन्दुस्तान जिंक की सामुदायिक विकास योजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान है, इस क्षेत्र में संचालित परियोजनाएं यहां के युवाओं, महिलाओं और बच्चों के साथ साथ किसानों के लिए वरदान साबित हो रही हैं। सस्टेनेबल खनन और नवाचार का ही प्रमाण नहीं है, बल्कि आसपास के गांवों के लिए आशा की किरण भी हैं। महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और कौशल विकास के लिए सामुदायिक विकास पहलों के माध्यम से, कंपनी ने स्थानीय समुदायों के जीवन की गुणवत्ता और विकास में उल्लेखनीय सुधार किया हैं। ग्रामीण युवाओं के लिए संचालित जिंक कौशल केंद्र पर 2200 से अधिक युवा छात्रों और निवासियों को प्रशिक्षित कर, उन्हें उद्योग-संबंधित कौशल विकास से जोड़कर उनके रोजगार के मार्ग को प्रशस्त किया हैं। अधिकतर युवा बैंकिंग, सुरक्षा, बिक्री, स्वास्थ्य, विनिर्माण आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं, जो स्थाई आजीविका के माध्यम से अपने परिवारों का संबंल बने हुए हैं। गांवों की 3 हजार से अधिक महिलाओं ने उद्यमिता के माध्यम से वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त की है।